घटते सीमान्त तुष्टिगुण का नियम
(Law of Diminishing Marginal Utility)

Dr. Mohinder Paul Mathur
Directorate of Distance Education
Kurukshetra University,
Kurukshetra

DDE

Programme
B.A. General

Class:
B.A. Part -I

Subject:
Economics

Lesson No. 3

भूमिका (Introduction)

उपभोक्ता के व्यवहार से सम्बन्धि तुष्टिगुण विश्लेषण के दो प्रमुख नियम है। (i) घटते सीमान्त तुष्टिगुण का नियम तथा (ii) सम–सीमान्त तुटिगुण का नियम। तुष्टिगुण या उपयोगिता विश्लेषण के अन्तर्गत घटते सीमान्त उपयोगिता का नियम सबसे महत्वपूर्ण धारणा है। यह नियम आवश्यकताओं की सन्तुष्टि के सम्बन्ध में मानवीय व्यवहार का अध्ययन करता है इसका प्रतिपादन जर्मन अर्थशास्त्री एच.एच. गौसन (H.H. Gossen) ने किया। इसी आधार पर इसे गौसन का प्रथम नियम (First Law of Gossen) भी कहते हैं। गौसन ने इस नियम को इस तरह प्रस्तुत किया, " जब हम किसी सन्तुष्टि का निर्विघ्न रूप से लगातार उपयोग करते रहते है, तो उस सन्तुष्टि की मात्रा तब तक निरन्तर घटती जाती है, जब तक पूर्ण सन्तुष्टि की प्राप्ति नहीं हो पाती। इस नियम को तुष्टि का नियम भी कहते है। यह अर्थशास्त्र का एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक तथा मौलिक नियम है।

❖ नियम की परिभाषा (Defination of Law)

- यदि अन्य बातें समान रहें, तो किसी व्यक्ति के पास, किसी वस्तु में वृद्धि होने से, जो लाभ उसको प्राप्त होता है वह वस्तु की मात्रा में प्रत्येक वृद्धि के साथ-साथ घटता जाता है – **एलफर्ड मार्शल**
- किसी उपभोक्ता को किसी वस्तु की अतिरिक्त इकाईयों से प्राप्त उपयोगिता, वस्तु की पूर्ति में वृद्धि के साथ साधारणतया कम हो जाती है– **सीजर**
- सीमान्त उपयोगिता ह्रास नियम बतलाता है कि अन्य बातें समान रहने पर जैसे – जैसे किसी वस्तु के उपभोग की मात्रा बढती है। उस वस्तु की सीमान्त उपयोगिता कम होने की प्रवृति पाई जाती हैं – **प्रो. पी.ए. सैक्युलसन**
- अन्य सभी वस्तुओं के उपभोग को स्थिर रखते हुए, एक उपभोक्ता जैसे-जैसे किसी एक वस्तु के उपभोग में वृद्धि करता है, तो उस वस्तु की सीमान्त उपयोगिता अन्ततः आवश्यक रूप से घटने लगती है – **प्रो. बोल्डिंग**

❖ नियम की मान्यताएं (Assumptions of the Law)

- तुष्टिगुण का यूटिल/ इकाई में माप अथवा गणनावाचक माप सम्भव है जैसे 1, 2, 3, 4 आदि
- मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर रहती है क्योंकि किसी वस्तु की सीमान्त उपयोगिता को मुद्रा में मापा जाता है।
- प्रत्येक वस्तु का सीमान्त तुष्टिगुण स्वतन्त्र है।
- वस्तु की सभी इकाईयाँ, गुण, परिमाण तथा आकार समान रहता है।
- वस्तु का उपभोग निरन्तर होना चाहिए।
- उपभोक्ता की आय स्थिर रहती है।
- वस्तु के स्थानापन्नों (Substitutes) की कीमतों में परिवर्तन नहीं होना चाहिए।
- उपभोग की मात्रा उचित होनी चाहिए।
- उपभोक्ता की रूचि आदतों, फैशन में कोई परिवर्तन नहीं होता
- उपभोक्ता एक विवेकशाील (Rational) व्यक्ति है– अर्थात वह अपनी सन्तुष्टि को अधिकतम करना चाहता है।

घटते सीमान्त तुष्टिगुण के नियम की व्याख्या
(Explanation of the Law of Diminishing Marginal Utility)

- घटते सीमान्त तुष्टिगुण के नियम की व्याख्या तालिका एवं रेखाचित्र द्वारा की गई है।
- तालिका: घटती सीमान्त उपयोगिता

उपभोग किए गए संतरों की मात्रा	कुल उपयोगिता (यूटिल में)	सीमान्त उपयोगिता
1	12	12
2	22	10
3	30	8
4	36	6
5	40	4
6	42	2
7	42	0 पूर्ण तुष्टि का बिन्दु
8	40	−2

❖ नियम के अपवाद (Exceptations of the Law)

- असाधारण रूप से छोटी इकाईयां (Unusually small units)
- दुलर्भ वस्तुओं का संग्रह (Collection of rare goods)
- कंजूस व्यक्ति (Miserly Person)
- प्रारम्भिक इकाईयाँ (Initial Units)
- उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि (Increase in Number of Consumers)
- मुधर गीत, रसपूर्ण कविता तथा अच्छी पुस्तक, (Sweet songs, Poem or good book)
- कुछ पूरक वस्तुएं (Some Complementary Goods)
- सामान्य उपभोक्ता (Normal Consumer)

❖ घटते सीमान्त उपयोगिता के नियम का महत्व (Importance of the law of marginal utility)

इस नियम के महत्व को सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक दो भागों मे बांटा जा सकता है।

❖ सैद्धान्तिक महत्व (Theoratical Importance)

- मांग के नियम का आधार
- सम–सीमान्त उपयोगिता के नियम का आधार

❖ व्यवहारिक महत्व (Practical Importance)

- प्रयोग मूल्य तथा विनिमय मूल्य में अन्तर
- उत्पादन तथा उपभोग में विभिन्नता
- प्रगतिशील कर प्रणाली का आधार
- समाजवाद अथवा कल्याण सम्बन्धी नियमों का आधार
- उपभोक्ताओं को लाभ
- अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार में महत्व

❖घटते सीमान्त तुष्टिगुण के नियम की आलोचना (Criticish of the law of Diminishing marginal utility)

- उपयोगिता का गणनावाचक माप, सम्भव नहीं है। (Utility Cannot be Measured)
- समरूपता अनिश्चित (Utility may not be identical)
- दीर्घकालीन आवश्यकताएं (Long Period Wants)
- उपयोगिताएं स्वतन्त्र नहीं (Utilities are not independent)
- मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर नहीं रहती (Marginal utility of money does not remain constant)
- यह नियम कीमत प्रभाव को प्रतिस्थापन प्रभाव तथा आय प्रभाव में विभाजित नहीं करता (Does not separate price effect into substitution effect and income effect)

- उपभोक्ता की रूचि, आदत, फैशन में परिवर्तन (Change in the taste, habit and fashion of a consumer)
- उपभोक्ता की आय में परिवर्तन (Change in the income of the consumer)
- उपभोक्ता विवेकशील नहीं है (Consumer is not rational)

THANK YOU

इससे सम्बधित जानकारी के लिए सम्पर्क करें: 9416413126